



Sri Sathya Sai Sadhana Trust

Publications Division, Prasanthi Nilayam

CHAMAKAM

5th Anuvaka

अ॒श्मा च॑ मे॒ मृ॒त्तिका च॑ मे॒ 
aśmā ca me mṛttikā ca me
गि॒रय॑श्च मे॒ पर्व॑ताश्च मे॒ 
girayaśca me parvatāśca me
सि॒कता॑श्च मे॒ वन॑स्पतयश्च मे॒ 
sikataśca me vanaspatayaśca me
हि॒रण्यं च॑ मे॒ ऽय॑श्च मे॒ 
hiranyaṁ ca me 'yaśca me
सी॒सं च॑ मे॒ त्र॑पुश्च मे॒ 
sīsaṁ ca me trapuśca me
श्या॒मं च॑ मे॒ लो॒हं च॑ मे॒ 
śyāmaṁ ca me lohaṁ ca me
अ॒ग्निश्च॑ म॒ आप॑श्च मे॒ 
agniśca ma āpaśca me
वी॒रुध॑श्च म॒ ओष॑धयश्च मे॒ 
vīrudhaśca ma oṣadhayaśca me

कृ॒ष्टप॒च्यं च॑ मेऽकृ॒ष्टप॒च्यं च॑ मे

kr̥ṣṭapacyaṁ ca me'kr̥ṣṭapacyaṁ ca me

ग्राम्याश्च॑ मे प॒शव॑ आ॒रण्याश्च॑

grāmyāśca me paśava āraṇyāśca

यज्ञेन॑ कल्पन्तां

yajñena kalpantām

वित्तं॑ च॒ मे वित्तिश्च॑ मे

vittam ca me vittiśca me

भूतं॑ च॒ मे भूतिश्च॑ मे

bhutam ca me bhūtiśca me

वसु॑ च॒ मे वसतिश्च॑ मे

vasu ca me vasatiśca me

कर्म॑ च॒ मे शक्तिश्च॑ मे

karma ca me śaktiśca me

अर्थश्च॑ म॒ एमश्च॑ म॒

arthaśca ma emaśca ma

इति॑श्च॒ मे गति॑श्च॒ मे ॥५॥

itiśca me gatiśca me ||5||